

इनोवेशन | संस्था ट्रैक्सन और एफ प्राइम कैपिटल की रिपोर्ट कह रही रोबोटिक्स स्टार्टअप में आ रहा बूम शहर में 22 करोड़ तक पहुंची रोबोटिक्स स्टार्टअप की फंडिंग, तीन साल में 200 प्रतिशत की वृद्धि

गजेंद्र विश्वकर्मा . इंदौर

वर्ष 2024 में भारतीय रोबोटिक्स स्टार्टअप ने 117 मिलियन डॉलर की फंडिंग जुटाई जो 2022 के मुकाबले चार गुना ज्यादा है। यह जानकारी हाल ही में जारी मार्केट इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म ट्रैक्सन की रिपोर्ट में सामने आई है। रोबोटिक्स की डिमांड का असर इंदौर में भी दिख रहा है। यहां 30 से ज्यादा स्टार्टअप इंडस्ट्री ऑटोमेशन, स्मार्ट मशीन निर्माण, आईओटी, एआई और डीप टेक पर काम कर रहे हैं। आईआईटी इंदौर, एसजीएसआईटीएस, आरआरकेट और अन्य संस्थानों की मेंटरशिप में कई स्टार्टअप काम कर रहे हैं। इंदौर में 2022 से 2024 के बीच इस क्षेत्र में 40 से 50 करोड़ रुपये की फंडिंग प्राप्त हुई है। 2022 में 10 से 12 करोड़ की फंडिंग मिली थी। 2024 में यह 22 करोड़ पहुंच चुकी है।

रोबोट स्वच्छता ला रहा है, हाई स्पीड मोटर तैयार कर रहे

एआरसी रोबोटिक्स ने सीवेज पाइपलाइनों की सफाई करने के लिए मशीन बनाई है। यह प्रोजेक्ट पायलट चरण में शामिल है। पानी की बर्बादी को 40% से घटाकर 15% तक लाने के लिए भी एक स्टार्टअप काम कर रहा है। एलेक्टिका ईवी वाहनों के लिए ऑटोमेटेड बैटरी स्वैपिंग सिस्टम विकसित कर रहा है। शहर में 1 लाख आरपीएम वाली हाई स्पीड वीएफडी मोटर को भारत सरकार की हेवी इंडस्ट्रीज मिनिस्ट्री से 7.5 करोड़ की ग्रांट प्राप्त हो चुकी है।



सबसे ज्यादा ऑटोमोबाइल में रोबोटिक्स की डिमांड

आईआईटी इंदौर के इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग के प्रो. संतोष विश्वकर्मा का कहना है कि एआई के बाद से ऐसी मशीनरी की डिमांड बढ़ रही है जो एक साथ कई काम कर सके। एक्सपर्ट अतुल भरत का कहना है कि आने वाला समय सॉफ्टवेयर से ज्यादा हार्डवेयर बेस्ड मशीनरी की जरूरत होगी। इस समय सबसे ऑटोमोबाइल इंडस्ट्रीज में इसका उपयोग हो रहा है। इंदौर में हर साल पांच से छह करोड़ की फंडिंग रोबोटिक्स सेक्टर में बढ़ रही है। डॉ. संजीव पाटनी का कहना है कि इस क्षेत्र में जो इनोवेशन कर रहे उन्हें फंडिंग की कोई कमी नहीं है।

इंदौर में इस पर काम हो रहा है

- स्मार्ट इंडस्ट्रीज के लिए एआई आधारित रोबोटिक्स समाधान तैयार कर रहे।
- हाई स्पीड मोटर, ऑटोमेटेड बैटरी स्वैपिंग।
- 3डी प्रिंटिंग और लेजर टेक्नोलॉजी से सीओटू लेजर रीसाइक्लिंग मशीन बना रहे।
- ईवी बैटरी डिजाइन, सोलर रीसाइक्लिंग, डीप टेक्नोलॉजी पर काम कर रहे।

यहां चल रहे यह प्रोजेक्ट

- आईआईटी में करीब 12 जिसमें स्मार्ट मैनुफैक्चरिंग, डिजिटल हेल्थकेयर रोबोटिक्स पर काम हो रहा।
- एआईसीटीएसएल में एआई मशीन लर्निंग के 10 से ज्यादा प्रोजेक्ट चल रहे हैं।
- एसजीएसआईटीएस व आरआरकेट में कई प्रोजेक्ट चल रहे हैं।